Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SLA–305

B.A. Part–III (Supplementary) Examination, 2022

राजस्थानी

Paper - I

(प्राचीन राजस्थानी काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सकै)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सगळा सवालां रा पडूत्तर देवणा है–

   (i) ढोला अर मारू कठै रा राजकुमार अर राजकुमारी ही ?

   (ii) ढोला-मारू रौ ब्यांव कठै हुयो ?

(iii) गोरा-बादळ रौ परिचै देवो।

(iv) गोरा बादळ चरित चउपई रा संवादक कुण हा ?

(v) रतनसेन किण कारण घर स्यूं निकळ जावै ?

(vi) पदमिणी रै ब्याव री कांई सरत ही ?

(vii) काव्य री भाषा म 'रस' किणनै कैवै ?

(viii) वेलियो छन्द रौ परिचै देवौ।

(ix) चार राजस्थानी काव्य दोषां रा नांव बताओ।

(x) दो राजस्थानी प्रेमाख्यान काव्यां रा नांव बताओ।

खण्ड–ब

नोट :– किणी **पाँच** सवालां रा पङूत्तर देवो (**200** सबदां म)। हैठे माण्डेडी ओळी री परसंग सेती व्याख्या करो।

2. दाढ़ी एक संदेसड़उ ढोलई लगि लइ जाइ।

जोबण फहि तलावड़ी पाळि न बन्धउ काँइ।

पंथी अेक संदेसड़उ, लग ढोलह पैहच्याय।

जोबन जायइ प्राहुणउ, वेमइरउ घर आय।

3. पंथी, भयंतउ जउ मिलइ, कहे अम्हीणी बत्त।

धण कणयररी कब ज्यऊँ, सूकी तोइ सुरत्त।

जइ तू ढोला नावियउ, काजळियारी तीज।

चमक मरेसी भारवी, देख खिंवती बीज।

4. मूँछ मरोड़ी ऊभु थयउ, गरव ग्रही घर बाहरि गयु।

रतनेसन राजा एकलु, साथि खवास करी इक भलु।

पद्मिणी परणी आवुं घरै, नहिं तरि रहिस्युं गिरि कंदरे।

बिण पद्मिणी नवि पोढ़ू सेज, बिण पद्मिणी न हंसु हित हेज।

5. राति दिवस रूधो रहइ, नरपति पद्मिणी पासि।

भ्रमर तणी परि भूपती, अलुसि रहिउ आवासि॥

चंदन तरवरि जिम चढ़ी वीटइ नागर बेलि।

तिम ते कामिणी कंत सु विलगि रहई गुण गेलि॥

6. 'ढोला मारू रा दूहा' काव्य रौ कथानक आपरै सबदां म मांड र लिखो।

7. राघव-चेतन रौ चरित्र चित्रण करौ।

8. राजस्थानी काव्य दोषां रौ खुलासौ करौ।

खण्ड–स

9. मारवणी रौ विरह संदेस आपरै सबदां म मांड र लिखो।

10. 'गोरा बादळ चरित चउपई' री काव्यगत विसेसतावां बताओ।

11. राजस्थानी प्रेमाख्यानमूलक काव्य पर लेख लिखो।

12. राजस्थानी काव्य रसां रौ खुलासौ ओपता दाखलावां रै साथै करौ।